Roll. No. :

S-3069

M.A. First Semester, Examination, 2024-25

Hindi

Paper First

[हिन्दी साहित्य का इतिहास आरम्भ से रीतिकाल तक]

Time : 2:30 Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैः खण्ड अ तथा ब। खण्ड अ तथा ब प्रत्येक से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4 × 5 = 20

1. रासो साहित्य का परिचय दीजिए।

2. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध कवियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

https://www.sdsuvonline.com

3. विभिन्न विद्वानों द्वारा आदिकाल को दिए गए नामों का उल्लेख कीजिए।

4. रीतिकालीन नीतिकाव्य पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

5. नाथ संप्रदाय का परिचय दीजिए।

6. तुलसीदास के दार्शनिक सिद्धान्त का नाम प्रस्तुत करते हुए उनकी प्रामाणिक रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

7. साहित्येतिहास लेखन की समस्या पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

8. हिन्दी साहित्य के आरंभिक इतिहासकारों और उनकी रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

4 × 15 = 60

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का परिचय दीजिए।

2. आदिकालीन साहित्य के राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रकाश डालिए।

3. भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है, इस कथन की पुष्टि कीजिए।

4. सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

https://www.sdsuvonline.com

5. हिन्दी साहित्य की निर्गुण काव्यधारा पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

6. रीतिकालीन साहित्य की युगीन पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

7. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता स्पष्ट कीजिए।

8. सगुण भक्तिधारा की दार्शनिक पृष्ठभूमि पर चर्चा कीजिए।

****

https://www.sdsuvonline.com